



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 233]
No. 233]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 29, 2005/भाद्र 7, 1927
NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 29, 2005/BHADRA 7, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 2005
प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय :— चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम फॉर्मल्डीहाइड सल्फोक्सीलेट (एस एफ एस) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 14/25/2004-डीजीएडी.—1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. जबकि मैसर्स ट्रांसपेक सिलोक्स इंडस्ट्री लि., कलाजी रोड, अटलाद्रा रोड बडोदरा, गुजरात, मैसर्स देमोशा कैमिकल्स प्रा. लि., 105 ए, मित्रल टावर्स, 210 नरीमन प्वाइंट, मुंबई और मैसर्स टी.सी.पी.लि., टी.सी.पी. सप्तगिरी भवन, सं. 4 (पुरानी सं. 10) कर्पगम्बाल नगर, मैलापोर, चेन्नई (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) में निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश भी कहा गया है) मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम फॉर्मल्डीहाइड सल्फोक्सीलेट (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था और संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जांच करने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी ने नियमों के उप नियम 5(5) के अनुसार चीन जन. गण. के दूतावास को पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में सूचित किया।

3. और जबकि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के अगुधार पर 28.1.2005 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के

राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था जिसके द्वारा नियमों के उप-नियम 6(1) के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित जांच शुरू की गयी थी ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और उस पाटनरोधी शुल्क की राशि, यदि लगायी जाए तो, घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश की जा सके।

क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी द्वारा उक्त जांच की शुरुआत करने संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी करने के पश्चात् इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है।

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों मूल पाटनरोधी जांच परिणामों में उपलब्ध सूची के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास प्रतिनिधियों, निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को जांच शुरुआत करने संबंधी 20 जनवरी, 2005 की अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे उक्त अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।

(ii) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और चीन जन. गण. के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां प्रदान की।

(iii) भारत में चीन जन. गण. के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत करने के बारे में सूचना दी गई और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का जवाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। निर्यातकों के नाम एवं पतों सहित निर्यातकों को भेजे गए पत्रों तथा प्रश्नावली की एक प्रति भी उनको भेजी गई।

(iv) बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान करने के लिए एक प्रश्नावली सभी ज्ञात निर्यातकों और चीन जन. गण. के दूतावास और चीन जन. गण. के ब्यूरो ऑफ फेयर ट्रेड, बीन (बीओएफटी) को भेजी गयी थी। यद्यपि जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. में संबद्ध माल के उत्पादन की परिकल्पित लागत के आधार पर चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य पर विचार किया गया था, तथापि प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को सूचित किया कि वह यथारसंधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के आलोक में आवेदक के दावे की जांच करने का प्रस्ताव करते हैं। अतः चीन जन. गण. के संबद्ध माल के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों से पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ताकि प्राधिकारी इस तथ्य पर विचार कर सकें कि क्या उन सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जाए जो यह प्रदर्शित कर सकें कि वे उपर्युक्त पैराग्राफ में निर्धारित मापदण्ड को पूरा करते हैं।

(v) नियम 6(4) के अनुसार चीन जन. गण. के निम्नलिखित निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्राधिकारी द्वारा एक प्रश्नावली भेजी गयी थी :-

1. वुक्सी ग्रीनएप्पल कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि.
274- जिचेंज रोड
वुक्सी सिटी, जियांग्सु प्रोविंस
चीन
2. झेंघौ बेस्टवैम इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं. लि.
सं. 7, कुईहौ रोड, झेंगझौ,
हीना चीन,
चीन- 450053

(vi) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देश के निम्नलिखित निर्यातकों ने प्रश्नावली का अपना उत्तर प्रस्तुत किया :-

1. मैसर्स वुक्सी सिटी डोंगताई फाइन कैमिकल कं. लि.
सं. 889, टोंग जियांग रोड,
वुक्सी, जियांग्सु प्रोविन्स,
चीन जन. गणराज्य
2. वुक्सी ग्रीन एप्पल कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि.
274- जिचेंज रोड,
वुक्सी सिटी
जियांग्सु प्रोविन्स
चीन

(vii) भारत में संबद्ध माल के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गयी थीं जिनमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गयी थी :

1. मैसर्स उषा केमिकल कं., मुंबई
2. मैसर्स एस डी फाइन कैमिकल्स लि., मुम्बई
3. मैसर्स अनुपम ट्रेडर्स, मुंबई
4. मैसर्स एन आर केमिकल्स, मुंबई
5. मैसर्स सेड्को फोरेक्स इंटरनेशनल, मुंबई
6. मैसर्स एसोसिएटेड कैमिकल कारपोरेशन, मुंबई

(viii) उपर्युक्त अधिसूचना के प्रत्युत्तर में मैसर्स एसोसिएटेड कैमिकल कारपोरेशन, मुम्बई ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया ।

(ix) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) से भी अनुरोध किया गया कि वह जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें ।

(x) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।

(xi) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा।

(xii) **** से इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

(xiii) जांच में 1 अक्टूबर, 2003 से 30 सितम्बर, 2004 तक की अवधि (पीओआई) शामिल थी। क्षति विश्लेषण के संबंध में रूझानों की जांच में अप्रैल 2001- मार्च 2002, अप्रैल 2002- मार्च 2003 और अप्रैल 2003- मार्च 2004 और जांच अवधि शामिल थी।

ख. विचाराधीन उत्पाद

5. विचाराधीन उत्पाद सोडियम फॉर्मल्डीहाइड सल्फोक्साइलेट (एस एफ एस) है।

6. यह सफेद चिप्स, पाउडर, चावल- मटर के आकार के कम सुगंध युक्त कणों के रूप में एक अकार्बनिक रसायन है। एस एफ एस का उत्पादन जिंक डस्ट, जल और सल्फर ऑक्साइड की रासायनिक प्रतिक्रिया द्वारा किया जाता है। इस उत्पाद के विभिन्न रूपों में कोई वास्तविक भिन्नता नहीं है। विभिन्न रूपों का उत्पादन उपभोक्ता के अंतिम प्रयोग की अपेक्षा पर निर्भर होता है और विभिन्न रूप एक ही सामान्य उद्देश्य को पूरा करते हैं।

7. सोडियम फॉर्मल्डीहाइड सल्फोक्साइलेट (एसएफएस) का प्रयोग मुख्यतः वस्त्र मुद्रण में एक शक्तिशाली डिस्चार्जिंग एजेंट के रूप में किया जाता है। इसका प्रयोग सफेद डिस्चार्जिंग एजेंट अथवा रंगीन डिस्चार्ज एजेंट के रूप में भी किया जाता है। रबड़ उद्योग में स्टीरीन-बुटाडीन रबड़ के उत्पादन में एक एक्टिवेटिंग एजेंट के रूप में किया जाता है। इसका उपयोग खाद्य, पॉलीमर्स, भेषजीय और विविध उद्योगों में भी किया जाता है।

8. सोडियम फॉर्मल्डीहाइड सल्फोक्साइड (एसएफएस) उप शीर्ष सं. 28311020 के सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 28 के अन्तर्गत वर्गीकृत है। यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

ख.1. समान वस्तु

9. घरेलू उद्योग विभिन्न रूपों जैसे चूर्ण, पपड़ी, चावल आदि में एस एफ एस का उत्पादन कर रहा है। चीन से आयातित सामग्री चूर्ण और ढेला रूप में है। आवेदक का कहना है कि यद्यपि एस एफ एस का उत्पादन भिन्न- भिन्न रूपों में किया जाता है तथापि इनके भिन्न-भिन्न रूपों में कोई वास्तविक अंतर नहीं है और ये सभी रूप एक ही सामान्य उद्देश्य को पूरा करते हैं।

10. आयातक मैसर्स एसोसिएट कैमिकल्स कारपोरेशन यह दावा करता है कि इस उत्पाद के ढेला और चूर्ण रूप जिसका चीन से आयात किया जा रहा है, का भारत में विनिर्माण नहीं किया जाता है और भारत में केवल टुकड़ों में विनिर्माण किया जाता है।

11. निर्यातक का यह कहना है कि भारत को बेचा गया एस एफ एस चूर्ण एवं ढेले के रूप में है, किन्तु यह सामान सामान्य उद्देश्य की पूर्ति करता है। तथापि, चूर्ण रूप ढेले की अपेक्षा शीघ्र घुल जाता है।

12. निर्यातक का यह कहना है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामग्री और चीन से आयातित सामग्री तुलनीय हैं। चीन जनवादी गणराज्य से आयातित उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद में कोई अंतर नहीं है और इस सामग्री के भिन्न-भिन्न रूप एक ही उद्देश्य की पूर्ति करते हैं। अतः घरेलू उद्योग और संबद्ध देश से आयातित उत्पाद सभी मौलिक विशेषताओं में एक समान होने के कारण नियमावली के नियम 2(घ) के शब्द के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं माना जाता है।

ग. घरेलू उद्योग का आधार और जांच शुरूआत

13. आवेदन मैसर्स ट्रांसपेक-सिलोक्स इंडस्ट्री लि.; कलाजी रोड, अटलाद्रा रोड, वडोदरा, गुजरात, मैसर्स देमोशा कैमिकल्स प्रा. लि.; 105 ए, मित्रल टावर्स, 210 नरीमन प्वाइंट, मुंबई और मैसर्स टी.सी.पी.लि., टी.सी.पी. सप्तगिरी भवन, सं. 4 (पुरानी सं. 10) करपगम्बाल नगर, मिलोपोर, चेन्नई द्वारा दायर किया गया है जो भारत में संबद्ध माल के उत्पादक हैं। आवेदकों का भारत में संबद्ध माल का 100% उत्पादन बनता है। अतः ये भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनते हैं। अन्य किसी पक्षकार ने इस बारे में कोई तर्क नहीं दिया है।

घ. पाटन मार्जिन की गणना हेतु पद्धति एवं बाजार अर्थव्यवस्था की जांच

घ.1 घरेलू उद्योग के विचार

14. घरेलू उद्योग का मानना है कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। पिछले तीन वर्षों से यूरोपीय आयोग एवं अमरीका द्वारा चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाता रहा है। भारत में निर्दिष्ट प्राधिकारी दिनांक 31.5.2002 के संशोधन के बाद प्रारंभ की गयी सभी जांचों में व्यवहारिक तौर पर चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हैं।

15. इस जांच में दो चीनी कंपनियों, एक उत्पादक और दूसरी निर्यातक ने अपने जबाब दाखिल किए हैं। दोनों कंपनियों ने अपने जबाब निर्यातकों एवं गैर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावलियों के संबंध में दाखिल किए हैं। घरेलू उद्योग का कथन है कि उत्पादक ने स्वयं दावा किया है कि जांच अवधि के दौरान ही इसका निजीकरण किया जा चुका है और यह मानते हैं कि जांच की शुरूआत में यह निजी कंपनी नहीं थी। यहां तक कि आरोपित निजीकरण के बाद कंपनी में विशेष रूप से राज्य सरकार का दखल जारी रहा। कंपनी ने "राज्य स्वामित्व इन्टरप्राइज" से "मिश्रित स्वामित्व" में बदलने के लिए जांच अवधि के दौरान पुनर्संरचना की और मिश्रित स्वामित्व से स्पष्ट होता है कि राज्य सरकार के दखल की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। घरेलू उद्योग ने आगे यह तर्क दिया है कि जांच की शुरूआत में कंपनी पूर्णतया राज्य सरकार के स्वामित्व में होने से कंपनी बाजार अर्थव्यवस्था स्तर का दावा नहीं कर सकती है।

16. घरेलू उद्योग का यह भी कथन है कि एस एफ एस के उत्पादन के लिए मुख्य कच्चे मालों में से एक जस्ता अथवा जस्ता चूर्ण राज्य सरकार के दखल से मुक्त नहीं है जैसा कि चीन की सरकार ने इस उत्पाद पर निर्यात शुल्क लगा रखा है जिससे चीन में इस उत्पाद की कीमतें विकृत हो चुकी हैं।

निर्यातक सरकारी स्वामित्व वाले आपूर्तिकर्ताओं से द्रव सोडा प्राप्त कर रहे हैं इसलिए कंपनी से यह स्थापित करने की मांग की गयी थी कि कीमतें स्वच्छ बाजार मूल्यों को वास्तविकता से दर्शाती हैं; तथापि, इस संबंध में ऐसी सूचना नहीं है जिससे यह परिणाम निकले कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतें, स्वच्छ बाजार मूल्यों को नहीं दर्शाती हैं।

घ.2 प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर की जांच

17. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के परिशिष्ट 1 के पैरा 8(2) के अनुसार कोई देश गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला होने के निर्धारण अथवा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के उद्देश्य से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है अथवा किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच शुरुआत के तीन वर्षों की अवधि के दौरान एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। सामान्य मूल्य को निर्धारित करने के उद्देश्य से यह पूर्वानुमान लगाया है। पिछले तीन वर्षों में चीन जन.गण. डब्ल्यू टी ओ सदस्यों जैसे कि ई यू और यू एस ए द्वारा पाटनरोधी जांचों में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। वर्तमान मामले में चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानकर जांच करने का प्रस्ताव किया गया है।

18. पाटनरोधी नियमों के परिशिष्ट 1 के पैराग्राफ 8 में संशोधन के अनुसार एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खण्डन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंड के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं और गैर-बाजार व्यवस्था के प्रतिकूल साबित होते हैं। चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु की सहायता कर रहे निर्यातकों/आयातकों से अपेक्षा की जाती है कि पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें जिससे निर्दिष्ट प्राधिकारी बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में निम्नलिखित मापदंडों पर विचार करने में सक्षम हो सकें कि क्या:-

- (क) चीन जन.गण. में संबंधित कंपनी की कीमतों, लागतों एवं निविष्टियों, कच्चे माल सहित प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्रियाँ और निवेश संबंधी निर्णय आपूर्ति एवं मांग और इस संबंध में बिना विशेष सरकारी हस्तक्षेप को दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के उत्तर में लिए गए हैं एवं क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को वास्तविक रूप में दर्शाती है।
- (ख) ऐसी कंपनियों की उत्पादन लागतें एवं वित्तीय स्थिति पुराने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था पद्धति से लाई गयी विशिष्ट विकृति के अधीन हैं; विशेषकर परिसम्पत्तियों के अवमूल्यन के संबंध में अन्य बट्टे खाते डाले गए, वस्तु विनिमय व्यापार एवं ऋणों की क्षतिपूर्ति द्वारा भुगतान के कारण।
- (ग) ऐसी कंपनियाँ दिवालियेपन एवं सम्पत्ति कानून के अधधीन हैं जिससे कंपनियों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता एवं स्थिरता की गारंटी होती है।
- (घ) विनिमय दर परिवर्तनों को बाजार दर पर लाया जाता है।

19. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य से सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियाँ भेजी । केवल एक उत्पादक और संबंधित निर्यातक से उत्तर प्राप्त हुए हैं । उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एम ई टी) का दावा किया है । निम्नलिखित उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के उत्तर की सूचना दाखिल की गयी थी:

- | | | | |
|----|---|---|------------------|
| 1. | मै0 बुक्सी सिटी डोंगताई फाइन केमिकल कं0 लि0 | - | उत्पादक |
| 2. | मै0 बुक्सी ग्रीनऐपल इंडस्ट्री कं0 लि0 | - | संबंधित निर्यातक |

20. मै0 बुक्सी डोंगताई फाइन केमिकल कं0 लि0 ने प्रश्नावली के उत्तर में कहा कि कंपनी चीन जन.गण. के कंपनी कानून के अंतर्गत स्थापित सीमित उत्तरदायित्व वाली कंपनी है । कंपनी की उत्पादन सुविधाएं 1958 में बुक्सी दाझोंग केमिकल फैक्टरी के नाम बनायी गयी थीं । दिसम्बर, 1996 में फैक्टरी को बुक्सी दाझोंग केमिकल कंपनी लिमिटेड के नाम से सीमित उत्तरदायित्व वाली कंपनी के रूप में पुनर्निर्मित हुई थी । एक स्वतंत्र विधिक व्यक्ति के रूप में दाझोंग ने इसके व्यापार निर्णयों में पूर्ण स्वायत्ता एवं प्रतिदिन के प्रचालन तथा सरकारी दखल से मुक्त प्रबंधन का लाभ उठाया । आगे यह भी कहा गया है कि 11 अगस्त, 2003 को कंपनी ने अपना नाम बदलकर बुक्सी डोंगताई केमिकल कं0 कर लिया और 29 नवम्बर, 2004 को कंपनी दूसरी केमिकल कंपनी के साथ मिल गयी और अपनी कुल पंजीकृत पूंजी को भी बढ़ा लिया । एक नयी शेयरधारक क्विसन्युआन मशीन मैनुफैक्चरिंग कं0 लि0 ने 1.55 प्रतिशत शेयरों के साथ कंपनी में शामिल हुई ।

21. मै0 बुक्सी डोंगताई फाइन केमिकल कं0 लि0 में शेयरों का बहुच उच्च प्रतिशत मै0 बुक्सी केमिकल इंडस्ट्री ग्रुप कंपनी लि0 (समूह) का है । अन्य दो कंपनियाँ मै0 बुक्सी केमिकल इंडस्ट्री ग्रुप हुआयूँ ट्रेड एंड शिपमेंट कंपनी लि0 (हुआयूँ) और बुक्सी केमिकल इंडस्ट्री ग्रुप क्विसन्युआन मशीन मैनुफैक्चरिंग कं0 लि0 क्विसन्युआन के कंपनी में थोड़े प्रतिशत में शेयर हैं । सूचना के अनुसार "ग्रुप एवं हुआयूँ" मिश्रित स्वामित्व की कंपनियाँ हैं जबकि "क्विसन्युआन" निजी स्वामित्व की कंपनी है । प्रदत्त स्पष्टीकरण के अनुसार "ग्रुप की पुनर्संरचना 26 मार्च, 2004 को हुई जिसके दौरान इसके सभी पूंजी शेयरों में 50 प्रकृत व्यक्ति उपभोक्ता बने । इन प्रकृत व्यक्तियों में से 28 ने इस समूह में इक्विटी ब्याज का अत्यधिक प्रतिशत प्राप्त किया । इक्विटी ब्याज में अंशदान देने के लिए इन 28 प्रकृत व्यक्तियों ने राज्य की स्वामित्व वाले वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया और अपने इक्विटी ब्याज को संस्थान के पास गिरवी रखा । यह भी स्पष्ट किया जाता है कि गिरवी रखे ब्याज की वसूली नहीं की गयी है अतः हुआयूँ समूह में अत्यधिक प्रतिशत शेयर हैं, इसलिए इसे मिश्रित स्वामित्व की परिभाषा दी गयी है । इस समूह के अलावा क्विसन्युआन में 15 प्रकृत व्यक्ति शेयरधारक हैं । चूँकि प्रकृत शेयरधारकों की हिस्सेदारी का प्रतिशत अधिक है इसलिए इसे निजी स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में परिभाषित किया गया है ।

22. बुक्सी ग्रीन ऐपल केमिकल कंपनी लि0 जो निर्यातक है, कच्ची सामग्री एवं उपयोगी वस्तुओं के आपूर्तिकर्ता हैं, " ग्रुप " के शेयर अत्यधिक प्रतिशत में है इसलिए कंपनी के स्वामित्व को मिश्रित स्वामित्व के रूप में परिभाषित किया गया है ।

23. कुन्मिंग ग्रीन ऐपल जिक कं0 लि0 जो कच्ची सामग्री की आपूर्ति करता है और हुआयूँ जो संभार-तंत्र प्रदान करता है, " ग्रुप " प्रमुख शेयर-धारक है और ये ग्रुप की सहायक कंपनियाँ हैं ।

24. प्राधिकारी नोट करते हैं कि "ग्रुप" जो कि उत्पादक, निर्यातक, कच्ची सामग्री एवं उपयोगी वस्तुओं के आपूर्तिकर्ता के लिए कंपनी धारक है, एक "मिश्रित स्वामित्व" की कंपनी। "ग्रुप" द्वारा पूंजी योगदान "वस्तु" एवं "रोकड़" दो संघटकों का समावेशन है। प्राधिकारी यह भी देखते हैं कि एसोसिएशन के अनुच्छेद के अनुसार शेयरधारक अपनी कुल पूंजी योगदान की तुलना में कंपनी के निवल परिसम्पत्ति मूल्य में उच्च शेयर के भागीदार हैं। परिशिष्ट I घरेलू बिक्रियों में प्रदत्त सूचना से यह भी नोट किया जाता है कि कुछ बिक्रियों का भुगतान प्राप्त नहीं किया गया है, संबंधित कॉलम में टिप्पणी है कि "संतुलन" के बारे में क्षतिपूर्ति/विनिमय व्यापार प्रबंध किए गए हैं।

25. इस "समूह" को राज्य के स्वामित्व वाले समूह से मिश्रित स्वामित्व वाले समूह में परिवर्तित किए जाने का दावा इस बात की पुष्टि करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि यह "समूह" बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालनरत माने जाने का पात्र है। इसके अलावा, शेयरधारकों, आपूर्तिकर्ताओं एवं उपयोगिता प्रदाताओं के बीच जटिल प्रतिधारिता को देखते हुए कंपनी के स्वतंत्र कार्यचालन के बारे में शंकाएं हैं। उपलब्ध सूचना से यह अर्थ नहीं निकाला जा सकता कि शेयरों को प्रकृत व्यक्तियों को अंतरित करने के लिए इनका मूल्यांकन कैसे किया गया था और क्या प्रकृत व्यक्तियों को प्रभावी ढंग से शेयरों का अंतरण किया गया है, किन्तु ये शेयर अभी भी राज्य के स्वामित्व वाली वित्तीय संस्था के पास गिरवी रखे हुए हैं। अतः कंपनी के प्रबंधन में राज्य के हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया जा सकता।

26. ऊपर स्पष्ट किए गए कारणों की दृष्टि से यह भी सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है कि उत्पादक, निर्यातक एवं आपूर्तिकर्ता कंपनियाँ, कीमतों, लागतों, कच्चे माल सहित निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत उत्पादन बिक्रियाँ, निवेश संबंधी निर्णय, आपूर्ति एवं मांग को प्रदर्शित करने वाले बाजार के संकेतों एवं विशेष सरकारी हस्तक्षेप रहित तथ्यों के उत्तर में दिए गए हैं और क्या मुख्य निविष्टियों की लागतें वास्तविक बाजार कीमतों को प्रदर्शित करती हैं। प्राधिकारी, इसलिए, चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में अनंतिम मान्यता और प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालनकर्ता निरुद्ध करते हैं। प्राधिकारी, तथापि एम ई टी के उत्तर के विस्तृत सत्यापन के पश्चात् एवं प्रतिवादी कंपनियों को खंडन प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर देने के बाद ही अपना निष्कर्ष निकालेंगे।

27. प्राधिकारी, इसलिए, चीन के निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए अनुबंध- I के पैराग्राफ 1 से 6 में वर्णित सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ हैं। चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमों के अनुबंध I के पैरा 7 में वर्णित गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी नियमों के अनुसार किया गया है।

28. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए "बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित मूल्य अथवा भारत सहित अन्य देशों के लिए ऐसे किसी तीसरे देश की कीमत के आधार पर अथवा जहाँ यह संभव न हो वहाँ समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से संचित अथवा संचय कीमत सहित किसी अन्य उचित आधार पर" सामान्य मूल्य का निर्धारण करना अपेक्षित होता है। समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में सामान्य मूल्य के निर्धारण की संभावना का पता लगाने के लिए इस स्तर पर कोई आंकड़ा/सूचना उपलब्ध नहीं है। भारत के लिए तीसरे देश की कीमत का निर्धारण भी संभव नहीं है क्योंकि भारत में अन्य देशों (संबद्ध देश से भिन्न) से आयात इतना कम है कि जिससे सामान्य मूल्य का कोई सार्थक निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। अतः प्राधिकारी ने "किसी अन्य उचित आधार" की पद्धति का सहारा लेकर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

घ.3 सामान्य मूल्य

29. इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने अन्तर्राष्ट्रीय कीमत पर एस एफ एस के विनिर्माण हेतु कच्ची सामग्री, घरेलू उद्योग के खपत संबंधी मानदंडों और उचित लाभ को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। उपर्युक्त उपलब्ध सूचना के आधार पर जाँच अवधि के दौरान 1 अम० डालर = 45.45 रुपए की औसत विनिमय दर को ध्यान में रखने के बाद सामान्य मूल्य *** अमरीकी डालर प्रति मी.टन निकाला गया है।

घ.4 मै० डोगताई फाइन केमिकल कं. लि० एवं मै० वुक्सी ग्रीन ऐपल केमिकल कं० लि० द्वारा निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर**निर्यात कीमत**

30. यद्यपि सामान्य मूल्य का परिकलन चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था मानते हुए किया गया है तथापि, उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रदत्त आंकड़ों और अन्तरदेशीय परिवहन, बीमा, समुद्री भाड़ा एवं समुद्री बीमा संबंधी उत्पादक/निर्यातक द्वारा दी गयी सूचना का आंकड़ों के सत्यापन होने तक इस प्रारंभिक जांच परिणाम के उद्देश्य से कारखाना द्वार निर्यात कीमत के निर्धारण में प्रयोग किया गया है। प्राधिकारी ने *** डालर के रूप में अन्तर्देशीय भाड़ा, *** डालर के रूप में अंतरदेशीय बीमा, *** डालर के रूप में समुद्री भाड़ा और *** डालर के रूप में समुद्री बीमा और *** डालर के रूप में ऋण के कारण समायोजनों पर विचार करने के पश्चात् निर्यातक से *** डालर के रूप में भारित औसत सी आई एफ कीमत ली है और एस एफ एस के लिए कारखाना द्वार भारित औसत कीमत *** अम० डालर प्रति मी.टन आती है। जांच अवधि के दौरान औसत विनिमय दर 45.45 रुपए = 1 अम० डालर ली गयी है।

घ.5 चीन जन.गण. के अन्य निर्यातक/उत्पादक**निर्यात कीमत**

31. प्राधिकारी के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। प्राधिकारी ने आयातों की सी आई एफ कीमत *** डालर के रूप में ली है। *** डालर के रूप में अन्तर्देशीय भाड़ा, *** डालर के रूप में अन्तर्देशीय बीमा, *** डालर के रूप में समुद्री भाड़ा, *** डालर के रूप में समुद्री बीमा और एस एफ एस की भारित औसत कारखाना द्वार निर्यात कीमत के रूप में कमीशन के संबंध में समायोजनों पर विचार करने के बाद *** डालर प्रति मी.टन होती है। (जांच अवधि के दौरान 45.45 रुपए = 1 अम० डालर की औसत विनिमय दर ली गयी है।)

पाटन मार्जिन

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन
मै० डोगताई फाइन केमिकल्स कं० लि० तथा मै० वुक्सी ग्रीन ऐपल केमिकल कं० लि०	\$***	\$***	86.85%
चीन जनवादी गणराज्य के अन्य निर्यातक/उत्पादक	\$***	\$***	183.81%

32. अनन्तिम रूप से इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है और न्यूनतम सीमा से अधिक है।

ड. क्षति निर्धारण की प्रक्रिया और कारणात्मक संबंध की जांच

ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

33. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी को प्रस्तुत अपने निवेदन में यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को चीन जन गण से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण क्षति का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि उन्हें चीन से आयातों की पहुँच कीमत के आधार पर कीमतों को बेंचमार्क करने के लिए बाधा होना पड़ा। कीमत कटौती और कीमतों की बेंचमार्किंग, आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कीमत कटौती करने की मजबूरी के कारण की गयी है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी आई है। उचित कीमत वृद्धि न कर पाने में घरेलू उद्योग की अक्षमता का कारण पाटित आयातों की मौजूदगी है, अतः घरेलू उद्योग को कीमतों में कमी का सामना करना पड़ा है। घरेलू उद्योग के लाभों में गिरावट स्पष्टतः पाटित आयातों के कारण है और लाभ में कमी के कारण नकद प्रवाह तथा लगाई गई पूँजी पर आय पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

34. यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा अधिक रही है फिर भी लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक रही है। चीन से आयातों के बाजार हिस्से की भारतीय मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है और इसके परिणामस्वरूप भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है, तथापि उसके बाजार हिस्से में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट का कारण चीन से होने वाले पाटित आयात थे। यद्यपि बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है, फिर भी घरेलू उद्योग को ईष्टतम से कम क्षमता उपयोग का सामना करना पड़ रहा था।

ड.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

35. प्राधिकारी ने विभिन्न पार्टियों द्वारा प्रस्तुत उनके निवेदनों में उठाए गए विभिन्न तर्कों पर विचार किया है।

36. पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 3.1 तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की वस्तुपरक जांच का प्रावधान है। प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा आयातक देश में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में काफी वृद्धि हुई है। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा काफी हद तक कीमतों में कमी लाना अथवा कीमत की उस वृद्धि को रोकना है जो कि अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती।

37. प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव की जांच की है और क्षति की मौजूदगी एवं पाटन और क्षति के मध्य कारणात्मक संबंध, यदि कोई हों, का परीक्षण करने हेतु कीमत एवं लाभप्रदता पर पाटन के प्रभाव की जांच की है।

38. चूंकि संबद्ध देश से निर्यातों हेतु सकारात्मक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा चुका है इसलिए क्षति विश्लेषण और कारणात्मक संबंध की जांच के प्रयोजनार्थ संबद्ध देश के संपूर्ण निर्यातों को पाटित आयात माना गया है।

(क) मात्रा संबंधी प्रभाव: पाटित आयातों की मात्रा संबंधी प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर प्रभाव

39. घरेलू उद्योग का कथन है कि संबद्ध वस्तुओं के आयातों को 28311020 से भिन्न शीर्षों के तहत सूचित किया गया है। डी जी सी आई एंड एस ने सुधार करने के पश्चात आंकड़े उपलब्ध कराए हैं, तथापि उसके अनुसार आयातों में अब भी कमी प्रदर्शित हो रही है। घरेलू उद्योग ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आसूचना सेवाओं (आई बी आई एस) के द्वारा सौदे वार ब्यौरा उपलब्ध कराया है और कहा है कि चूंकि इस आंकड़े से सही स्थिति का पता चलता है इसलिए इस पर विश्वास किया जाना चाहिए।

40. प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस, आई बी आई एस तथा सहयोगी निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई निर्यात संबंधी सूचना की जांच की है। निर्यातक की सूचना की तुलना में डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में आयातों की मात्रा कम प्रदर्शित होती है। इस बात का सत्यापन भी किया जा चुका है कि संबद्ध देशों से आयातों को विभिन्न उप-शीर्षों के तहत सूचित किया जा रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आई बी आई एस द्वारा दी गई आयात संबंधी सूचना, निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई निर्यात संबंधी सूचना के समान है। अतः प्राधिकारी ने आई बी आई एस द्वारा दी गई सूचना पर विश्वास किया है।

(i) आयात मात्रा एवं संबद्ध देश का हिस्सा

देश	इकाई	2001-2002	2002-03	2003-04	अक्तू, 2003 से सितम्बर, 2004
		मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा
		मी. टन	मी. टन	मी. टन	मी. टन
चीन	मी. टन	40.00	90.00	1,010.00	1,222.40
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	225	2,525	3,056
अन्य देश	मी. टन	-	-	20.00	40.00
कुल ज्ञात आयात	मी. टन	40.00	90.00	1,030.00	1,262.40
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	225	2575	3156
संबद्ध देश का बाजार हिस्सा		100%	100%	98.05%	96.83%

41. आयात आंकड़ों से प्रदर्शित होता है कि आधार वर्ष अर्थात् वर्ष 2001-2002 की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है। वर्ष 2001-02 में 40 मी. टन की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 1222 मी. टन की वृद्धि हुई। इसकी तुलना में, वर्ष 2001-02 में "शून्य" आयातों की तुलना में जांच अवधि के दौरान अन्य देशों से केवल 40 मी. टन का आयात हुआ। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश के आयातों का बाजार हिस्सा 96.83 प्रतिशत था।

(ii) मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा

(क) मांग में वृद्धि

	इकाई	2001-2002	2002-03	2003-04	अक्तू, 2003 से सितम्बर, 2004
	मी.टन	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा
मांग	मी.टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	143	151

42. संबद्ध देश से आयातों की तुलना में आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि 51 प्रतिशत रही है जो समान अवधि के दौरान 3056 प्रतिशत तक बढ़ गई है।

(ख) घरेलू उद्योग का उत्पादन

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू, 2003 से सितम्बर, 2004
संस्थापित क्षमता					
घरेलू उद्योग	मी.टन	8900	8900	9500	10000
ट्रांसपेक-सिलॉक्स	मी.टन	6000	6000	6600	7100
देमोशा	मी.टन	2400	2400	2400	2400
टी सी पी	मी.टन	500	500	500	500
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	107	112
उत्पादन					
ट्रांसपेक-सिलॉक्स	मी.टन	****	***	***	***
देमोशा	मी.टन	****	***	***	***
टी सी पी	मी.टन	****	***	***	****
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी.टन	****	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	130	143
क्षमता उपयोग					
ट्रांसपेक-सिलॉक्स	%	***	***	***	***
देमोशा	%	***	***	***	***
टी सी पी	%	***	***	***	***
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	121	127

43. क्षमता, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग के आंकड़ों से यह पता चलता है कि वर्ष 2003-04 और विशेषकर जांच अवधि के दौरान वर्तमान क्षमता में आने वाले अवरोधों की समाप्ति से घरेलू उद्योग की क्षमता में वृद्धि हुई थी। संपूर्ण अवधि के दौरान उत्पादन में लगातार वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में भी 27 प्रतिशत तक सुधार हुआ तथापि संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि को देखते हुए क्षमता उपयोग अपेक्षित से कम स्तर का रहा।

(ग) घरेलू उद्योग की बिक्री

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू, 2003 से सितम्बर, 2004
घरेलू बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	123	127
ट्रांसपेक-सिलॉक्स	मी. टन	***	***	***	***
देमोशा	मी. टन	***	***	***	***
टी सी पी	मी. टन	***	***	***	***
निर्यात बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	127	173
ट्रांसपेक-सिलॉक्स	मी. टन	***	***	***	***
देमोशा	मी. टन	***	***	***	***
टी सी पी	मी. टन	***	***	***	***
आबद्ध बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	265	1195	980
ट्रांसपेक-सिलॉक्स	मी. टन	***	***	***	***
देमोशा	मी. टन	***	***	***	***
टी सी पी	मी. टन	***	***	***	***

44. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथापि इसी अवधि के दौरान घरेलू बिक्री में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में समान अवधि के दौरान औसत वस्तुसूची में 98 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, इससे यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग को मांग में वृद्धि से कोई लाभ नहीं हुआ है। जांच अवधि के दौरान औसत वस्तुसूची में 98 प्रतिशत की वृद्धि तथा अनुमानतः मांग में वृद्धि की तुलना में 27 प्रतिशत बिक्री वृद्धि से यह प्रदर्शित होता है कि वृद्धि दर के अनुपात में घरेलू उद्योग को मांग में वृद्धि से कोई लाभ नहीं हुआ है।

(घ) मांग एवं बाजार हिस्सा

	इकाई	2001- 2002	2002- 03	2003-04	अक्तू, 2003 से सितम्बर, 2004
आउटपुट/उत्पादन					
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	130	143
आयात - चीन	मी. टन	40	90	1010	1222
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	225	2525	3056
अन्य देश	मी. टन	00	00	20	40
कुल ज्ञात आयात	मी. टन	40	90	1030	1262
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	225	2575	3156
घरेलू बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	123	127

आवृत्ति	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	265	1195	980
मांग	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	143	151
मांग में हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	86	84
चीन	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	176	1,769	2,025
अन्य देश	%	-	-	0.28	0.53

45. आधार वर्ष 2001-02 की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कुल घरेलू मांग में लगभग 51 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समान अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में लगभग 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई, तथापि, बिक्री में केवल 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा वर्ष 2001-02 में 100 के आधार की तुलना में घटकर 84 हो गया जबकि आधार वर्ष के 100 की तुलना में उसी अवधि के दौरान संबद्ध देश का हिस्सा बढ़कर 2025 हो गया।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

46. कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत अवमूल्यन, यदि कोई हों, के संदर्भ में संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन की भारित औसत लागत, भारित औसत निवल बिक्री वसूली (एन एस आर) तथा क्षतिरहित कीमत (एन आई पी) (घरेलू उद्योग की लागत संबंधी सूचना का मानकीकरण करने के पश्चात निकाली गई) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों के पहुँच मूल्य से की गई है।

(i) विचाराधीन अवधि के दौरान कीमत संबंधी मूल्यांकन

चीन जन.गण.	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
रु./मी.टन	42507	36771	30404	29511
सूचीबद्ध	100	87	72	69

47. कीमत संबंधी आंकड़ों से पता चलता है कि संबद्ध देश की कीमतों में आधार वर्ष के पश्चात लगातार गिरावट आ रही थी। आधार वर्ष में 100 की तुलना में जांच अवधि के दौरान यह घटकर 69 (सूचीबद्ध) रह गया।

(ii) कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव

उत्पादन लागत	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू, 2003 से सितम्बर, 2004
घरेलू उद्योग	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	95	100
ट्रांसमिक-सिलॉक्स	रु./मी.टन	***	***	***	***

देमोशा	रू./मी.टन	***	***	***	***
टी सी पी	रू./मी.टन	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रू./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्त	सूचीबद्ध	100	99	96	88
ट्रांसपेक-सिलॉक्स	रू./मी.टन	***	***	***	***
देमोशा	रू./मी.टन	***	***	***	***
टी सी पी	रू./मी.टन	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति मूल्य (नि.बि.प्रा. x बिक्री)					
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	118	111
घरेलू उद्योग	लाख रुपए	***	***	***	***
ट्रांसपेक-सिलॉक्स	लाख रुपए	***	***	***	***
देमोशा	लाख रुपए	***	***	***	***
पहुँच मूल्य					
सीमाशुल्क	%	35.00	30.00	25.00	21.25
चीन	रू./मी.टन	51725	46618	41335	36019
कीमत कटौती	रू./मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती की रेंज	%	***	***	***	23-33%
एन आई पी					***
कम कीमत पर बिक्री					***
कम कीमत पर बिक्री की रेंज	%				28-38%

48. उत्पादन लागत, जिसमें आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान कोई परिवर्तन नहीं हुआ, की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत (निवल बिक्री प्राप्ति) में आधार वर्ष में 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 88 तक की गिरावट प्रदर्शित हुई है।

49. कीमत कटौती का निर्धारण समग्र जाँच अवधि के लिए संबद्ध देश से पाटित आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति से कर के किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य का परिकलन संबद्ध देश से आयात कीमत के आई बी आई एस आँकड़ों में रिपोर्ट किए गए मूल्य में 1% प्रहस्तन प्रभार और लागू बुनियादी सीमाशुल्क जोड़ कर लिया है।

50. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करते समय घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित छूटों, रियायतों और कमीशनों तथा भुगतान किए गए केंद्रीय उत्पाद शुल्क को छोड़ दिया गया है।

51. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारणार्थ संबद्ध देश से आयातों की भारित औसत पहुँच कीमतों की तुलना जाँच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारक बिक्री कीमत से की गई है।

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयात घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति और घरेलू उद्योग के लिए अनुमानित गैर-क्षतिकारक कीमत से बहुत कम कीमत पर हुए हैं जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है। जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती 23-33% और कम कीमत पर बिक्री 28-38% के बीच रही है।

(iii) पाटित आयातों के कीमत ह्रास एवं कीमत अवमूल्यनात्मक प्रभाव :

53. उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य के संदर्भ में पाटित आयातों के कीमत ह्रास प्रभाव की भी जांच की गयी है।

54. उत्पादन लागत की प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान उत्पादन लागत एक समान बनी रही जबकि निवल बिक्री प्राप्ति में आधार वर्ष में 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 88 तक की सुस्पष्ट गिरावट प्रदर्शित होती है। पहुँच कीमतों में आधार वर्ष में 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 70 तक की गिरावट आई है जिसका परिणाम आधार वर्ष के 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 88 तक कीमत ह्रास के रूप में हुआ है।

ड.3 क्षति संबंधी अन्य मापदण्डों की जाँच

55. घरेलू उद्योग की मात्राओं और कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग एवं बिक्रियाँ जैसे प्रमुख क्षति संकेतकों के साथ-साथ पूर्ववर्ती खण्ड में विभिन्न घटकों के बाजार हिस्से के साथ माँग के पैटर्न की जाँच करने के बाद अन्य आर्थिक मापदण्डों जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति की उपस्थिति का संकेत मिल सकता है, का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है :-

(i) उत्पादकता

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू.'03- सित.'04
रोजगार					
घरेलू उद्योग	संख्या	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	106	102	102
ट्रांसपेक- सिलॉक्स	संख्या	***	***	***	***
दमोशा	संख्या	***	***	***	***
टीसीपी	संख्या	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी					
उत्पादकता					
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	122	127	140
ट्रांसपेक- सिलॉक्स	मी. टन	***	***	***	***
दमोशा	मी. टन	***	***	***	***
टीसीपी	मी. टन	***	***	***	***

56. रोजगार के स्तर में अत्यधिक परिवर्तन नहीं हुआ है और उसमें आधार वर्ष में 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 102 तक की ही वृद्धि हुई है। जबकि कर्मचारियों की उत्पादकता

में आधार वर्ष में 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 140 तक का अच्छा सुधार हुआ है। परन्तु लाभप्रदता के रूप में इस बेहतर उत्पादकता से घरेलू उद्योग को कोई फायदा नहीं हुआ है।

(ii) लाभ एवं नकद प्रवाह पर वास्तविक तथा संभावित प्रभाव

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू. 03- सित. 04
लाभ					
बिक्री लागत					
घरेलू उद्योग	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	96	100
ट्रांसपेक- सिलॉक्स	रु./मी. टन	***	***	***	***
देमोशा	रु./मी. टन	***	***	***	***
टीसीपी	रु./मी. टन	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति					
घरेलू उद्योग	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	96	88
ट्रांसपेक- सिलॉक्स	रु./मी. टन	***	***	***	***
देमोशा	रु./मी. टन	***	***	***	***
टीसीपी	रु./मी. टन	***	***	***	***
लाभ/हानि प्रति मी. टन					
घरेलू उद्योग	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	288	124	-299
ट्रांसपेक- सिलॉक्स	रु./मी. टन	***	***	***	***
देमोशा	रु./मी. टन	***	***	***	***
टीसीपी	रु./मी. टन	***	***	***	***
घरेलू बिक्रियों पर लाभ/हानि (पीबीटी X घरेलू बिक्री)					
घरेलू उद्योग	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	367	153	-379
ट्रांसपेक- सिलॉक्स	लाख रु.	***	***	***	***
देमोशा	लाख रु.	***	***	***	***
टीसीपी	लाख रु.	***	***	***	***

57. आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान उत्पादन लागत समान बनी रही जबकि बिक्री कीमत में उसी अवधि के दौरान 88 तक की अत्यधिक गिरावट आई। वर्ष 2001-02 में 100 के लाभ की तुलना में जाँच अवधि के दौरान प्रति इकाई घाटा -299 है। वर्ष 2001-02 में 100 के लाभ की तुलना में नकद प्रवाह में -191 का घाटा प्रदर्शित होता है।

(iii) रोजगार एवं वेतन

	इकाई	2001-2002	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
रोजगार					
घरेलू उद्योग	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	102	102
वेतन	लाख रु.	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	85	136
ट्रांसपेक- सिलॉक्स	लाख रु.	***	***	***	***
देमोशा	लाख रु.	***	***	***	***
टीसीपी	लाख रु.	***	***	***	***

58. रोजगार के स्तर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। आधार वर्ष के 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान यह 102 है। वेतन में आधार वर्ष के 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 136 तक की वृद्धि हुई है। तथापि, प्रति इकाई उत्पादन के लिए वेतन में केवल 2% वृद्धि हुई है।

(iv) निवेश पर आय तथा पूँजी उगाड़ने की क्षमता

	इकाई	2001-2002	2002-03	2003-04	अक्तू. 03- सित. 04
निवल अचल परिसम्पत्तियाँ					
घरेलू उद्योग	लाख रु.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	90	93	92
ट्रांसपेक सिलॉक्स	लाख रु.	***	***	***	***
देमोशा	लाख रु.	***	***	***	***
टीसीपी	लाख रु.	***	***	***	***
कार्यशील पूँजी					
घरेलू उद्योग	लाख रु.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	111	110	109
ट्रांसपेक सिलॉक्स	लाख रु.	***	***	***	***
देमोशा	लाख रु.	***	***	***	***
टीसीपी	लाख रु.	***	***	***	***
लगाई गई पूँजी- एनएफए					
घरेलू उद्योग	लाख रु.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	101	102	100
ट्रांसपेक सिलॉक्स	लाख रु.	***	***	***	***
देमोशा	लाख रु.	***	***	***	***
टीसीपी	लाख रु.	***	***	***	***
लाभ/घाटा (पीबीआईटी)					
घरेलू उद्योग	लाख रु.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	179	87	-116
ट्रांसपेक सिलॉक्स	लाख रु.	***	***	***	***
देमोशा	लाख रु.	***	***	***	***
टीसीपी	लाख रु.	***	***	***	***
लगाई गई पूँजी पर आय					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	177	48	-134
ट्रांसपेक सिलॉक्स	%	***	***	***	***
देमोशा	%	***	***	***	***
टीसीपी	%	***	***	***	***

59. आधार वर्ष से लेकर जाँच अवधि के दौरान तक लगाई गई पूंजी समान बनी रही। आधार वर्ष के 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान -166 का घाटा हुआ। एन एफ ए आधार पर निवेश पर आय आधार वर्ष के 100 की तुलना में ऋणात्मक होकर जाँच अवधि के दौरान -134 हो गई।

(v) निवेश

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने वर्तमान क्षमता की अड़चनों को दूर करते हुए अपनी क्षमता को आधार वर्ष के 6920 मी. टन से बढ़ाकर वर्ष 2003-04 में 8964 मी. टन कर लिया है। जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कोई नया निवेश नहीं किया गया है और जैसा कि उनके द्वारा अनुरोध किया गया है, आगे किसी निवेश की कोई योजना नहीं है।

(vi) पाटन की मात्रा

61. जिस सीमा तक पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, उसे दर्शाने वाले संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से यह प्रदर्शित होता है कि जाँच अवधि के लिए संबद्ध देश के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक है।

(vii) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

62. पाटित आयातों से इतर कारक, जो घरेलू बाजार में कीमतों को प्रभावित कर रहे हो सकते हैं, का विश्लेषण करने के लिए लाकत संरचना में परिवर्तन, यदि कोई हो, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी प्रतिस्थपकों की कीमतों की जाँच की गई है। उत्पादन लागत समान बनी रही। तथापि, बिक्री कीमत में अत्यधिक गिरावट आई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम है जिससे भारतीय बाजार में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है।

(viii) माल सूची

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	अक्तू. 03- सित. 04
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	156	191	198
ट्रांसपेक- सिलॉक्स	मी. टन	***	***	***	***
देमोशा	मी. टन	***	***	***	***
टीसीपी	मी. टन	***	***	***	***

63. आँकड़ों से माल सूची में आधार वर्ष में 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 98% वृद्धि का संकेत मिलता है।

ड..4 क्षति संबंधी मापदण्डों के संबंध में निष्कर्ष

64. उपर्युक्त क्षति संबंधी मापदण्डों की जाँच से यह संकेत मिलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान माँग में वृद्धि 51% थी। घरेलू उद्योग ने अपना उत्पादन लगभग 43% बढ़ाया परन्तु बिक्री में केवल 27% वृद्धि हुई। उसी अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई और जाँच अवधि के दौरान 1222 मी. टन का आयात हुआ जिसके परिणामस्वरूप आधार वर्ष के 100 की तुलना में माँग में आयातों के हिस्से में 2025 (सूचीबद्ध) तक की वृद्धि हुई है जबकि उसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का हिस्सा घटकर 84 हो गया।

65. जाँच अवधि के दौरान कीमत कटौती 23-33% की रेंज में है। उसी अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री 28-38% की रेंज में है। आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान उत्पादन लागत समान बनी रही है। निवल बिक्री प्राप्ति की प्रवृत्ति से कीमत अवमूल्यन स्पष्ट है, इससे आधार वर्ष के 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान निवल बिक्री प्राप्ति में 88 तक की गिरावट प्रदर्शित होती है। यद्यपि बिक्री मात्रा में 27% की वृद्धि हुई तथापि, बिक्री मूल्य में केवल 11% वृद्धि हुई है। औसत माल सूची, जो आधार वर्ष में 100 थी, जाँच अवधि के दौरान बढ़ कर 198 हो गई। लाभप्रदता में आधार वर्ष के 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान -299 (सूचीबद्ध) का घाटा प्रदर्शित हुआ है। इसी प्रकार, नकद प्रवाह में उसी अवधि के दौरान -230 (सूचीबद्ध) का घाटा प्रदर्शित हुआ है। एन ए ए आधार पर निवेश पर आय में आधार वर्ष के 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 134 की अणुणात्मक आय प्रदर्शित हुई है।

66. उत्पादकता में वृद्धि हुई है परन्तु उसमें वृद्धि के बावजूद लाभों में वृद्धि नहीं बल्कि गिरावट आई है।

ड..5 अन्य ज्ञात कारणों से कारणात्मक संबंध

67. चल रहे विश्लेषण से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में सापेक्ष रूप से और माँग में हिस्से के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि से घरेलू उद्योग ने काफी बाजार हिस्सा गँवाया है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री को भी दर्शाता है जिससे घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में अपने बाजार हिस्से और बिक्री की मात्रा को बनाए रखने के लिए अपनी कीमतों को आयातों के बराबर बनाए रखने के लिए विवश हुआ है। इससे यह भी प्रदर्शित होता है कि पाटित आयातों की कीमतों के दबाव के कारण उत्पादन एवं बिक्री मात्रा में सुधार से घरेलू उद्योग को लाभ नहीं हुआ है, जिससे पाटित आयातों और उनके मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों के कारण हुई क्षति के बीच स्पष्ट कारणात्मक संबंध स्थापित होता है।

68. प्राधिकारी ने क्षति, यदि अन्य कारकों द्वारा कोई हुई हो, को अलग करने के लिए कारणात्मक संबंध और नियमों में यथाविनिर्दिष्ट अन्य गैर-आरोप्य कारकों संबंधी मुद्दे की भी जांच की है। इस संबंध में नियमों में यथाविनिर्दिष्ट निम्नलिखित संकेतात्मक कारकों की जांच की गई है।

(i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमत

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से आयातों की मात्रा नगण्य है। संबद्ध देश से आयातों का जांच अवधि के दौरान समग्र आयातों में 97% हिस्सा है। अतः अन्य देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

(ii) मांग में संकुचन और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

70. संबद्ध वस्तुओं में क्षति अवधि के दौरान निरंतर वृद्धि प्रदर्शित हुई है। संबद्ध वस्तुओं की कुल मांग में जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में 51% की वृद्धि प्रदर्शित हुई है। घरेलू बाजार में उत्पाद की खपत पद्धति में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है जिसे घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार माना जा सकता हो।

(iii) विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में कोई प्रतिबंधित प्रथा प्रचलित नहीं है जिसे घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता हो।

(iv) प्रौद्योगिकी विकास

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद के उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः किसी अन्य प्रौद्योगिकी के विकास को घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

(v) निर्यात निष्पादन

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में निरंतर वृद्धि प्रदर्शित हुई है। इस मात्रा में जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। अतः यह कारक घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं है।

(vi) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

74. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में प्रति कर्मचारी उत्पादन के लिहाज से अत्यधिक सुधार प्रदर्शित हुआ है। इसलिए उत्पादकता एक ऐसा कारक नहीं है जिसे घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार माना जा सकता हो। वास्तव में घरेलू उद्योग ने उत्पादकता में सुधार के जरिए अपने घरेलू प्रचालन में अपने घाटों को कम करने का प्रयास किया है।

75. कोई अन्य कारक जिससे संभवतः घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो, प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाया गया है।

76. उपर्युक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देश से निर्यात की गई संबद्ध वस्तुएं उनके सामान्य मूल्य से काफी कम कीमतों पर हैं। घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत और आवेदकों की संबद्ध वस्तुओं की औसत बिक्री वसूली तथा पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंधों को स्पष्ट रूप से प्रमाणित किया गया है।

च. क्षति मार्जिन की मात्रा

77. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत की क्षति मार्जिन के निर्धारणार्थ निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ तुलना की गई है। संबद्ध देश से भारत औसत पहुंच मूल्य और क्षति मार्जिनों का परिकलन निम्नानुसार किया गया है:-

क्षति मार्जिन का परिकलन	
कम्पनी का नाम	क्षति मार्जिन
डोंगटाई फाइन कैमिकल क. लि. और मै0 वुक्सी ग्रीन एप्पल कैमिकल कं. लि.	*****
चीन जन. गण. से अन्य	***

घ. निष्कर्ष

78. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:

- क. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात इनके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है;
ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
ग. क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

ज. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः बहाल हो सके जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी प्रकार प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर असर नहीं पड़ेगा ।

झ. सिफारिशें

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी तथा पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंधों के पहलू पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर दिया गया था । पाटन, क्षति और पाटन तथा घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों की विनिर्दिष्ट नियमों के अनुसार प्रारंभिक जांच शुरू करने और उसे पूरा करने के बाद और संबद्ध देश के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन के साथ-साथ ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से पुष्टि करने के पश्चात प्राधिकारी का मत है कि पाटन और क्षति को निष्प्रभावी करने के लिए जांच पूरी होने तक अनंतिम शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है ।

81. इसलिए प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर नीचे दी गई विधि और ढंग से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं ।

82. प्राधिकारी द्वारा अनुसरण किए गए कम शुल्क संबंधी नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके । तदनुसार संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयतों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश की जाती है ।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप-शीर्ष या टैरिफ मद	माल का विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28311020 या सीमाशुल्क का कोई अन्य शीर्ष	सोडियम फोरमाल्डी डी सल्फाक्सीलेट (एसएफएस)	चीन जन. गण.	चीन. जन. गण.	बुक्सी सिटी डोंगटाई फाईन कैमिकल कं. लि.	बुक्सी ग्रीन एम्पल कैमिकल इंडस्ट्री कम्पनी लि.	469.17	मी. टन	अम. डालर
2.	वही	वही	चीन जन. गण.	चीन. जन. गण.	बुक्सी सिटी डोंगटाई फाईन कैमिकल कं. लि.	कोई	479.17	मी. टन	अम. डालर

3.	वही	वही	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई	कोई	655.13	मी. टन	अम. डालर
4.	वही	वही	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. के अलावा कोई देश	कोई	कोई	655.13	मी. टन	अम. डालर
5.	वही	वही	चीन जन. गण. के अलावा कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	655.13	मी. टन	अम. डालर

अ आगे की प्रक्रिया

83. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों के संबंध में टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और इन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;

(ख) निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और अन्य संबंधित हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र भेजने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं, कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है;

(ग) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे;

(घ) प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों को घोषित करने से पहले आवश्यक तथ्यों का खुलासा करेंगे ।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th August, 2005

Preliminary Findings

Subject :— Anti-dumping investigation involving import of Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS) exported from or originating in China PR.

No. 14/25/2004-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas M/s Transpek-Silox Industry limited, Kalaji Road, Atladra Road, Vadodara, Gujarat, M/s. Demosha Chemicals Pvt. Limited, 105 A, Mittal Towers, 210, Nariman Point, Mumbai and M/s. T.C.P. Limited, TCP Sathagiri Bhavan, No. 4 (Old No. 10) Karpagambal Nagar, Mylapore, Chennai. (herein after referred to as the Applicants) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of

Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS) (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from China PR (herein after referred to as subject country) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The Authority notified the Embassy of China PR about the receipt of dumping allegation in accordance with sub rule 5(5) of Rules.

3. AND WHEREAS, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 28th January 2005 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. Procedure

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority.

- (i) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 28th January 2005 to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (ii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy of China PR in accordance with Rule 6(3) supra.
- (iii) The Embassy of the People's Republic of China in India, was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letters and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith the names and addresses of the exporters.
- (iv) A questionnaire for according market economy treatment was forwarded to all the known exporters and the Embassy of the Peoples' Republic of China and Bureau of Fair Trade China (BOFT) China PR. While, for the purpose of initiation, the normal value in China PR was considered based on the constructed cost of production of the subject goods in China PR, the authority informed the known exporters that it proposed to examine the claim of the applicant in the light of para (7) & (8) of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules as amended. The concerned exporters / producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information / sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Designated Authority to consider whether market economy treatment could be granted to cooperating exporters / producers who could demonstrate that they satisfied the criteria stipulated in the said paragraph.

- (v) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in China PR in accordance with Rule 6(4);
1. Wuxi Greenapple Chemical Industry Company Limited
274-Xichang Road
Wuxi City
Jiangsu Province
China
 2. Zhengzhou Bestchem Imp. & Exp. Co. Limited
No. 7, Cuihua Road, Zhengzhou,
Henan China,
China - 450 053
- vii) In response to the above notification the following exporters from the subject country filed their responses to questionnaire:
1. M/s Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co Ltd.
No. 889, Tongjiang Road,
Wuxi
Jiangsu Province,
China PR
 2. Wuxi Greenapple Chemical Industry Company Limited
274-Xichang Road
Wuxi City
Jiangsu Province
China
- vii) Questionnaires were sent to following known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4):
1. M/s Usha Chemical Company, Mumbai.
 2. M/s S D Fine Chemicals Ltd., Mumbai
 3. M/s Anupam Traders, Mumbai
 4. M/s N R Chemicals, Mumbai
 5. M/s Sedco Forex International, Mumbai
 6. M/s Associated Chemical Corporation, Mumbai
- viii) In response to above notification M/s Associated Chemical Corporation, Mumbai filed response to questionnaire.
- ix) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigations;
- x) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xi) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- xii) *** in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;

- xiii) Investigation was carried out for the period starting from 1.10.2003 to 30.9.2004 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2001-March 2002, April 2002-March 2003, April 2003-March 2004 and the POI.

B. Product under Consideration

5. The product under consideration is Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS).

6. It is an inorganic chemical, in the form of white chips, powder, rice- pea sized granules with slight characteristic odour. SFS is produced by chemical reaction of zinc dust, water and sulphur dioxide. There is no material difference in the different forms of the product. Production of different forms depends on requirement of end application of the customer and different forms serve the same general purpose.

7. Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS) is mainly used as powerful discharging agent in textile printing. It can also be used as white discharging agent or colour discharging agent. In the rubber industry it is used as an activating agent in the production of styrene-butadiene rubber. It also finds uses in Food, Polymers, Pharmaceuticals and Miscellaneous industries.

8. Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS) is classified under Chapter 28 of the Customs Tariff Act, 1975 under sub-headings No 28311020. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigations.

B.1 Like Article

9. The domestic industry is producing SFS in different forms such as powder, flake, rice, etc. Material imported from China is in powder and lump form. The applicant states that though SFS is produced in different forms, however, there is no material difference in the different forms and different forms serve the same general purpose.

10. Importer M/s Associate Chemicals Corporation claims that lumps and powder form of the product which is being imported from China is not manufactured in India and only chips form is manufactured in India.

11. The exporter states that the SFS sold to India are in forms of powder and lumps but serve the same general purpose, however, powder form dissolves more quickly than the lump form.

12. The authority notes that material produced by the domestic industry and imported from China are comparable. There is no difference in product imported from China PR and produced by the domestic industry and different forms of material serve the very same purpose. Therefore, the products produced by the domestic industry and imported from subject Country being identical in all essential characteristics are treated as like articles within the meaning of the term as 2(d) of the Rules.

C. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation

13. The application was filed by M/s Transpek-Silox Industry limited, Kalaji Road, Atladra Road, Vadodara, Gujarat, M/s. Demosha Chemicals Pvt. Limited, 105 A,

Mittal Towers, 210, Nariman Point, Mumbai and M/s. T.C.P. Limited, TCP Sapthagiri Bhavan, No. 4 (Old No. 10) Karpagamal Nagar, Mylapore, Chennai, which are the producers of the subject goods in India. The applicants account for 100% production of subject goods in India, therefore, constitute domestic industry within the meaning of the Indian Anti-dumping Rules. Other interested parties have not raised any argument in this regard.

D. Methodology for calculation of dumping margin and examination of market economy

D.1 Views of the domestic industry

14. The domestic industry submitted that China is a non-market economy. China has been treated as non-market economy by European Commission and USA in the past three years. In India the Designated Authority has treated China as non-market economy practically in all the investigations initiated after the amendment dated 31.5.2002.

15. In this investigation, two Chinese companies, one producer and the other exporter have filed their response. Both the companies have filed their responses regarding exporters and non-market economy questionnaires. The domestic industry states that the producer itself claim that it has been privatised during the period of investigation and admits that it was not a private company at the beginning of the investigation. Even after the alleged privatisation the company continue to be significantly under State interference. The company restructured from the 'wholly State-owned enterprise' to become a 'mixed ownership' during POI and mixed ownership clearly implies that possibility of State interference is not ruled out. The domestic industry further argued that the company being wholly State owned at the start of the investigation follows that the company cannot claim market economy status.

16. The domestic industry also states that the prices of zinc or zinc dust, one of the main raw materials for production of SFS is not free from State interference as Govt. of China have imposed export duty on this product which have distorted the prices of product in China. The exporter is procuring liquid soda from State-owned supplier, therefore the company was required to establish that the prices substantially reflect the fair market values, however, there is no such information in this regard. This clearly implies that the prices of major inputs do not reflect fair market values.

D.2 Examination of Response to Market Economy Treatment Questionnaire by the Authority

17. The Designated Authority, as per para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules for the purpose of assessing the normal value proceeded with the presumption that any country that has been determined to be or has been treated as a non-market economy for the purposes of anti-dumping investigations by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economy country. In the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping

investigations by WTO members such as EU and USA. In the instant case China PR has been proposed to be investigated as a non-market economy country.

18. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

19. The Authority sent copies of the questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value. Responses have been received from one producer and related exporter and they have claimed Market Economy Treatment (MET). Response information to the questionnaire was filed by the following producer/exporter:

1. M/s Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co. Ltd. - Producer
2. M/s Wuxi Greenapple Industry Co. Ltd. - Related Exporter

20. In response to questionnaire M/s Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co. Ltd stated that the company is a limited liability company established under the Company Law of the PRC. The production facilities of the company was built in 1958 in the name of Wuxi Dazhong Chemical Factory. In December 1996 the factory was reformed into limited liability company called Wuxi Dazhong Chemical Company Ltd. As an independent legal person, the Dazhong enjoyed full autonomy in its business decision-making and daily operation and management free of Government interference. Further it is stated that on August 11, 2003 the company changed the name to Wuxi Dongtai Chemical Co. Ltd. On November 29, 2004 the company merged with another chemical company and increased its total registered capital. A new shareholder Xinyuan Machine Manufacturing Co. Ltd. joined the company with holding of 1.55% of the shares.

21. In M/s Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co. Ltd a very high percentage of shares are held by M/s Wuxi Chemical Industry Group Company Ltd. (Group). Other two companies M/s Wuxi Chemical Industry Group Huayun Trade and Shipment Company Ltd. (Huayun) and Wuxi Chemical Industry Group Xinyuan Machine Manufacturing Co. Ltd. (Xinyuan) hold small percentages of shares in the company. As per information, 'Group' and 'Huayun' are mixed ownership companies whereas 'Xinyuan' is a privately owned company. As per explanation provided, 'Group' experienced a restructure on March 26, 2004 during which 50 natural persons subscribed all its capital shares. 28 of these natural persons took a very high percentage of equity interest in the 'Group'. For subscribing to the equity interest, these 28 natural persons borrowed money from a State-owned financial institution and pledged their equity interest with the institution. It is also clarified that no pledged interest has been realised. In 'Huayun', 'Group' holds a very high percentage of shares, therefore, it has also been defined as mixed ownership. In 'Xinyuan', apart from 'Group', 15 natural persons are also shareholders. As the natural person shareholders hold high percentage of shares, therefore, it has been defined as privately owned company.
22. In Wuxi Greenapple Chemical Co. Ltd., the exporter, the supplier of raw material and utility provider in this case, 'Group' holds a very high percentage of share, therefore, the ownership of the company has been defined as mixed ownership.
23. In Kunming Greenleaf Zinc Co. Ltd. who supplies the raw material and 'Huanyun' who provides the logistics, 'Group' holds the major shares and are subsidiaries of the 'Group'.
24. The Authority notes that the 'Group' which is a holding company for producer, exporter, supplier of the raw material and utilities is a 'mixed ownership' company. The capital contribution by the 'Group' is comprised of two components 'kind' and 'cash'. The Authority observes that as per Article of Association, the shareholders are entitled to a proportionately higher share in the net assets value of the company as compared to their total capital contribution. From the information provided in Appendix 1 – Domestic Sales, it is also noticed that payment for certain sales have not been received, the relevant column mentions remark as – 'strike a balance' indicating some sort of compensatory/barter trade arrangements.
25. The claim of transformation of the 'Group' from State-owned to mixed ownership is not sufficient to establish that the 'Group' is eligible to be treated as operating under market economy conditions. Further, there exist doubts on the independent functioning of the company considering the complicated cross holdings among shareholders, suppliers and utility providers. From the available information it cannot be inferred, how the evaluation of shares were made for transferring it to natural persons and whether the shares to the natural persons have been effectively transferred as the shares are still pledged with the State owned financial institution. Therefore, State interference in the management of the company cannot be ruled out.
26. In view of the reason explained above, it also cannot be inferred that decisions of the producer, exporter and supplier companies in respect of prices, cost and inputs

including raw materials, cost of technology and labour, output sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference, and whether costs of major inputs substantially reflect market values. The Authority is, therefore, constrained to provisionally regard the responding producer/exporter as operating in non-market economy conditions. The Authority however, will draw a final conclusion only after a detailed verification of the MET response and after providing ample opportunity to the responding companies to rebut this presumption.

27. The Authority is, therefore, unable to apply the principles set out in paragraph 1 to 6 of Annexure 1 for determination of normal value for the Chinese exporters. The normal value in respect of all exporters/producers from China PR is determined as per Rules relating to non-market economy as contained in para 7 of Annexure 1 of AD Rules.

28. As per para 7 of Annexure 1 of AD Rules, the DA is required to determine normal value on the basis of 'price or constructed value in the market economy third country or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product.' No data/information is available, at this stage, to explore the possibility to determine normal value in appropriate market economy third country. The prices from third country to India is also not possible to determine as imports from other countries (other than subject country) to India is so small to permit any meaningful conclusion of the normal value. Therefore, the Authority has determined the normal value by resorting to method 'any other reasonable basis'.

D3 Normal Value

29. Under the circumstances, the authority has constructed the normal value by considering the raw material for manufacture of SFS at the international prices, the consumption norms of the domestic industry and reasonable profit. Based on above information available, the normal value has been calculated as USD **** per MT after considering the average exchange rate during POI of 1USD=Rs 45.45

D4. Response of M/s Dongtai Fine Chemical Co. Ltd. and M/s Wuxi Greenapple Chemical Co. Ltd. to the Exporters Questionnaire

Export Price

30. Though the normal value has been constructed considering China PR as a non-market economy, however, the data provided by the producer/exporter and the information given by the producer/exporter regarding inland transportation, insurance, ocean freight and marine insurance has been used to determine ex-factory export price for the purpose of this preliminary finding pending verification of the data. The authority has taken weighted average CIF price as \$*** of imports from the producer and after considering adjustment on account of inland freight as \$ ***, inland insurance

as \$ ***, ex-factory export price for SFS comes to USD *** per MT. (The average exchange rate of Rs 45.45=1USD during the period of investigation has been adopted.)

D5. Other exporters/producers from China PR

Export Price

31. The ex-factory export price has been determined as per data available with the authority. The authority has taken CIF price as \$*** of imports. After considering adjustment on account of inland freight as \$ ***, inland insurance as \$ ***, ocean freight \$***, marine insurance as \$*** and commission as *** the ex-factory export price for SFS comes to USD *** per MT. (The average exchange rate of Rs 45.45=1USD during the period of investigation has been adopted.)

Dumping Margin

Exporter/Producer	Normal Value	Export Price	Dumping Margin
M/s Dongtai Fine Chemicals Co. Ltd. and M/s Wuxi Greenapple Chemical Co. Ltd.	\$***	\$***	86.85%
Other exporter/producers from China PR	\$***	\$***	183.81%

32. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis

E. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS

E.1 Views of the domestic industry

33. The domestic industry in its submission before the Authority has argued Domestic industry is suffering injury because of dumping of subject goods from the China PR. Domestic Industry submitted that they have been forced to benchmark the prices on the basis of landed price of imports from China. Even when the domestic industry has been attempting benchmarking its prices on the basis of imports, the imports from China were undercutting the prices of the domestic industry. Existence of price undercutting and benchmarking of prices has been based on imports resulted in domestic industry being forced to reduce prices, resulting in reduction in profitability of the domestic industry. The inability of the domestic industry to effect legitimate price increases were not successful due to presence of dumped imports, thus, domestic industry suffered reduction in prices. Deterioration in profits suffered by the domestic industry is clearly due to dumped imports and deteriorating profits have had very adversely impact on cash flow and return on capital employed.

34. Even though the domestic industry has posted higher sales volumes, the growth of domestic industry is negative as regards profits. Market share of imports from China in demand in India increased significantly and as a consequence of that the Indian industry's market share declined. Though the sales volume of domestic industry has increased, its market share has declined and decline in market share of the domestic industry was due to dumped imports from China. Even though sales volume increased, the domestic industry was faced with sub-optimal capacity utilization.

E.2 Examination by the Authority

35. The Authority has taken note of various arguments raised by various parties in their submissions.

36. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

37. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

38. Since positive dumping margin has been established for the exports from the subject country, entire exports from the subject country has been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examination.

(A) VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

39. The domestic industry stated that the imports of the subject goods are being reported under heads other than 28311020. DGCI&S has provided data after making correction, however, it still shows imports on the lower side. The domestic industry has provided transaction-wise details from International Business Information Services (IBIS) and stated that this data should be relied upon as it gives the correct picture.

40. The Authority has examined data from DGCI&S, IBIS and information about the exports provided by the co-operating exporter. Data from DGCI&S shows imports less than that of reported by the exporter. It has also been verified that imports of

subject goods are being reported under different sub-headings. The authority also notes that imports reported by IBIS is closer to the information about exports provided by the exporter. The Authority, therefore, relies on data reported by IBIS.

i) Import Volumes and share of subject country

Country	Unit	2001-2002	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
		Volume	Volume	Volume	Volume
		MT	MT	MT	MT
China	Mt	40.00	90.00	1,010.00	1,222.40
Trend	Indexed	100	225	2,525	3,056
Other Countries	Mt	-	-	20.00	40.00
Total known imports	Mt	40.00	90.00	1,030.00	1,262.40
Trend	Indexed	100	225	2575	3156
Market Share of subject country		100%	100%	98.05%	96.83%

41. Imports data shows that imports from subject country have increased significantly during period of investigation as compared to the base year i.e. 2001-02. It increased to 1222MT during period of investigation as compared to 40 MT in 2001-02. As compared to this, imports from other countries is mere 40 MT during period of investigation as compared to 'NIL' imports in 2001-02. The market shares in imports of the subject country is 96.83% during POI.

ii) Demand, Output and Market shares

a) Growth in Demand

	Unit	2001-2002	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
	Mt	Volume	Volume	Volume	Volume
Demand	Mt	***	****	****	****
Trend	Indexed	100	128	143	151

42. Growth in demand is 51% during POI from the base year as compared to imports from the subject country which has increased by 3056% during the same period.

b) Production of the Domestic Industry

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Installed capacity					
Domestic industry	Mt	8900	8900	9500	10000
Transpek- silox	Mt	6000	6000	6600	7100
Demosha	Mt	2400	2400	2400	2400
TCP	Mt	500	500	500	500
Trend	Indexed	100	100	107	112
Production					

Transpek- silox	Mt	****	***	***	***
Demosha	Mt	****	***	***	***
TCP	Mt	****	***	***	****
Production Domestic industry	Mt	****	***	***	***
Trend	Indexed	100	129	130	143
Capacity Utilization					
Transpek- silox	%	***	***	***	***
Demosha	%	***	***	***	***
TCP	%	***	***	***	***
Domestic industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	129	121	127

43. Data of the domestic industry on capacity, production and capacity utilisation reveals that capacity of the domestic industry increased during 2003-04 and particularly during POI by way of the de-bottlenecking of the existing capacity. Production increased consistently during the entire period, it increased by 43% during POI as compared to the base year. The capacity utilisation also improved by 27% during POI as compared to base year however the capacity utilisation remained less than the desired level keeping in view growth in demand of the subject goods.

c) Sales of Domestic Industry

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Domestic Sales	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	127	123	127
Transpek- silox	Mt	***	***	***	***
Demosha	Mt	***	***	***	***
TCP	Mt	***	***	***	***
Export Sales	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	121	127	173
Transpek- silox	Mt	***	***	***	***
Demosha	Mt	***	***	***	***
TCP	Mt	***	***	***	***
Captive Sales	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	265	1195	980
Transpek- silox	Mt	***	***	***	***
Demosha	Mt	***	***	***	***
TCP	Mt	***	***	***	***

44. Production has increased by 43% during POI as compared to base year whereas domestic sales increased by 27% during the same period. During the same period average inventory has increased by 98% as compared to the base year indicating that

the growth in demand has not benefited the domestic industry. Increase of 98% of average inventory during period of investigation and sales growth of 27% as compared to growth in demand of approximately 51% shows that growth in demand has not benefited the domestic industry in commensurate with growth rate.

d) Demand and Market Share

	Unit	2001-2002	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Output/Production					
Domestic Industry	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	129	130	143
Imports - China	Mt	40	90	1010	1222
Trend	Indexed	100	225	2525	3056
Other Countries	Mt	00	00	20	40
Total known Imports	Mt	40	90	1030	1262
Trend	Indexed	100	225	2575	3156
Domestic Sales	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	127	123	127
Captive consumption	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	265	1195	980
Demand	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	128	143	151
Share in demand					
Domestic industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	86	84
China	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	176	1,769	2,025
Other Countries	%	-	-	0.28	0.53

45. Total domestic demand of the subject goods increased by approximately 51% during period of investigation as compared to base year 2001-02. The domestic industry raised their production by approximately 43% during the same period, however, sales increased only by 27%. Share in demand of the domestic industry came down to 84 during POI as compared to base of 100 in 2001-02 whereas share of the subject country increased to 2025 during the same period as compared to 100 from base year.

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

46. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net

Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry (worked out after normating the costing information of the Domestic Industry) have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

(i) Evaluation of price over period under consideration

China PR	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Rs/MT	42507	36771	30404	29511
Indexed	100	87	72	69

47. The data on prices reveals that prices from subject country were consistently declining from base year. During POI it declined to 69 (indexed) from 100 in the base year.

(ii) Price undercutting and underselling effects

Cost of Production	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Domestic Industry	Rs/ MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	94	95	100
Transpek- silox	Rs/ MT	***	***	***	***
Demosha	Rs/ MT	***	***	***	***
TCP	Rs/ MT	***	***	***	***
Selling price	Rs/ MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	96	88
Transpek- silox	Rs/ MT	***	***	***	***
Demosha	Rs/ MT	***	***	***	***
TCP	Rs/ MT	***	***	***	***
Net Sales Realisation Value (NSR x Sales)					
Trend	Indexed	100	126	118	111
Domestic Industry	Rs. Lacs	***	***	***	***
Transpek- silox	Rs. Lacs	***	***	***	***
Demosha	Rs. Lacs	***	***	***	***
Landed value					
Customs Duty	%	35.00	30.00	25.00	21.25
China	Rs./MT	51725	46618	41335	36019
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting Range	%	***	***	***	23-33%

NIP					***
Price underselling					***
Price underselling Range	%				28-38%

48. Selling price (Net Sales Realisation) of the domestic industry shows decline from base of 100 in year 2001-02 to 88 during the period of investigation as compared to the cost of production which did not change during POI as compared to base year.

49. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the IBIS data of import prices from the subject country.

50. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

51. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject country have been compared with the Non-injurious selling price of the domestic industry determined for the POI.

52. The Authority notes that Imports from the subject country have been significantly below the net sales realization of the domestic industry as well as the non-injurious price estimated for the domestic industry thus resulting in significant price undercutting and underselling. Price undercutting is in the range of 23-33% and price underselling is in the range of 28-38 % during POI.

(iii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

53. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

54. The trend of cost of production shows that cost of production remained same during POI as compared to the base year whereas net sales realization shows marked decline of realization to 88 during POI from 100 of the base year. Landed prices have declined to 70 during POI from 100 of the base year resulting in depression in prices to 88 during POI from the 100 of the base year.

E.3 Examination of other Injury Parameters

55. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports,

capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed hereunder as follows:

i) **Productivity**

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Employment					
Domestic industry	Nos.	***	***	***	***
	Indexed	100	106	102	102
Transpek- silox	Nos.	***	***	***	***
Demosha	Nos.	***	***	***	***
TCP	Nos.	***	***	***	***
Productivity per Employee					
Domestic industry	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	122	127	140
Transpek- silox	MT	***	***	***	***
Demosha	MT	***	***	***	***
TCP	MT	***	***	***	***

56. The employment level has not changed significantly and have increased only to 102 during POI from 100 of the base year. Whereas productivity of the employees has shown marked improvement to 140 during POI from 100 of the base year. But this improved productivity has not benefited the domestic industry in term of profitability.

ii) **Profits and actual and potential effects on the cash flow**

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Profits					
Cost of Sales					
Domestic Industry	Rs/ MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	94	96	100
Transpek- silox	Rs/ MT	***	***	***	***
Demosha	Rs/ MT	***	***	***	***
TCP	Rs/ MT	***	***	***	***
Net Sales Realisation					
Domestic Industry	Rs/ MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	96	88
Transpek- silox	Rs/ MT	***	***	***	***
Demosha	Rs/ MT	***	***	***	***
TCP	Rs/ MT	***	***	***	***
Profit/Loss Per MT					
Domestic Industry	Rs/ MT	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	288	124	-299
Transpek- silox	Rs/ MT	***	***	***	***
Demosha	Rs/ MT	***	***	***	***
TCP	Rs/ MT	***	***	***	***
Profit/Loss on Domestic Sales (PBT X Domestic Sales)					
Domestic industry	Rs Lacs	***	***	***	***
Trends	Indexed	100	367	153	-379
Transpek- silox	Rs Lacs	***	***	***	***
Demosha	Rs Lacs	***	***	***	***
TCP	Rs Lacs	***	***	***	***

57. The cost of production remained same during the POI as compared to the base year whereas selling price declined significantly to 88 during the same period. The losses per unit during POI is a -299 as compared to profit of 100 in 2001-02. The cash profit shows losses of -191 as compared to profit of 100 in 2001-02.

iii) Employment and wages

	Unit	2001-2002	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Employment					
Domestic industry	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	102	102
Wages					
Domestic industry	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	126	85	136
Transpek-silox	Rs. Lacs	***	***	***	***
Demosha	Rs. Lacs	***	***	***	***
TCP	Rs. Lacs	***	***	***	***

58. The employment level has not changed. It is 102 during POI from the 100 of the base year. The wages has grown to 136 during POI from the 100 of the base year. However, wages per unit of production increased only by 2%.

iv) Return on investment and ability to raise capital

	Unit	2001-2002	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Net Fixed Assets					
Domestic Industry	Rs. Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	90	93	92
Transpek Silox	Rs. Lacs	***	***	***	***
Demosha	Rs. Lacs	***	***	***	***
TCP	Rs. Lacs	***	***	***	***
Working Capital					
Domestic industry	Rs. Lacs	***	***	***	***

	Indexed	100	111	110	109
Transpek Silox	Rs. Lacs	***	***	***	***
Demosha	Rs. Lacs	***	***	***	***
TCP	Rs. Lacs	***	***	***	***
Capital Employed - NFA					
Domestic Industry	Rs. Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	101	102	100
Transpek Silox	Rs. Lacs	***	***	***	***
Demosha	Rs. Lacs	***	***	***	***
TCP	Rs. Lacs	***	***	***	***
Profit/Loss (PBIT)					
Domestic Industry	Rs. Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	179	87	-116
Transpek Silox	Rs. Lacs	***	***	***	***
Demosha	Rs. Lacs	***	***	***	***
TCP	Rs. Lacs	***	***	***	***
Return on Capital Employed					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
	Indexed	100	177	48	-134
Transpek Silox	%	***	***	***	***
Demosha	%	***	***	***	***
TCP	%	***	***	***	***

59. The capital employed remained at the same level during POI from the base year. It turned into losses of -116 during POI from the 100 of the base year. Return on the investment on NFA basis turned negative to -134 from the 100 of the base year.

v) **Investment**

60. The authority notes that the domestic industry has raised the capacity from 6920 MT in the base year to 8964 MT in 2003-04 by de-bottlenecking the existing capacity. There has been no fresh investment by the domestic industry during the period of investigation and there are no plan for further investment as submitted by them.

vi) **Magnitude of Dumping**

61. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can injure the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject country named, for the POI, is significant.

vii) **Factors affecting prices**

62. Change in cost structure if any, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. The cost of production remained same. However, the decline in selling price was significant. The

Authority notes that Landed values of imported material from subject country is significantly below the selling price of the domestic industry, causing severe price undercutting in the Indian market.

viii) Inventories

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Average stock	Mt	***	***	***	***
	Indexed	100	156	191	198
Transpek- silox	Mt	***	***	***	***
Demosha	Mt	***	***	***	***
TCP	Mt	***	***	***	***

63. The data indicates the increase of inventory by 98% during POI from 100 of the base year.

E.4 Conclusion on injury parameters

64. The examination of above injury parameters indicates that growth in demand was 51% during POI as compared to base year. The domestic industry increased its production by approximately 43% but sales increased only by 27%. During the same period, imports of subject goods increased significantly and it was 1222 MT during POI resulting in increase of imports shares in demand to 2025 (indexed) from 100 of the base year, whereas share of domestic industry declined to 84 during the same period.

65. The price undercutting during POI is in the range of 23-33%. The price underselling during the same period is in the range of 28-38%. The cost of production remained the same during POI as compared to the base year. The price depression is evident from the trend of net sales realization, it shows decline of NSR to 88 during POI as compared to 100 of the base year. Though the sales volume increased by 27% the sales value could increase only by 11%. Average inventory increased during the same period, it was 198 during POI as compared to 100 of the base year. Profitability shows losses of -299 (indexed) during POI as compared to 100 of the base year. Similarly, cash profit shows losses of -230 (indexed) during the same period. The return on investment on NFA basis shows negative return of 134 during POI as compared to 100 of the base year.

66. The productivity has increased but despite increase in productivity, profits did not increase rather it declined.

E.5 Other Known factors and Causal Link

67. The foregoing analysis indicates that the volume of dumped imports from the subject countries have increased substantially both in absolute terms as well as in relation to the share in demand. The growth of imports from subject country have significantly displaced the market share of the domestic industry. The landed value of dumped imports from the subject country also show a significant price undercutting and underselling on the prices of the domestic industry compelling the domestic industry to benchmark its prices to imports in order to retain its market share and volume of sales in the domestic market. It also shows that improvement in volume of production and sales has not translated into profit for the domestic industry due to the pulling pressure of the prices of the dumped imports establishing a clear causal link between the dumped imports and the injury suffered due to volume and price effects.

68. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attribution factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

i) Volume and prices of imports from other sources

69. The authority notes that the volume of imports from other country is insignificant. Imports from the subject country is having share of 97% of total imports during Period of Investigation. Thus, imports from other countries have not contributed to the injury to the domestic industry.

ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

70. The subject goods have shown consistent growth during the injury period. The total demand of subject goods have shown growth of 51% during Period of Investigation as compared to the base year. There is also no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

71. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iv) Development of technology

72. The Authority notes that technology for production of the product has not undergone any change. Development of any other technology, therefore, cannot be attributed to the injury to the domestic industry.

v) Export performance

73. The Authority notes that the export volume of the domestic industry have shown consistent growth. The volume has increased significantly during the period of investigation as compared to the base year. Therefore, this factor is not attributable to the injury to the domestic industry.

vi) Productivity of the Domestic Industry

74. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has shown significant improvement. Therefore, productivity is not a factor which can be attributed to the injury of the domestic industry. In fact domestic industry has tried to reduce its losses in its domestic operation through improvement in productivity.

75. No other factor which could have possibly caused injury to the domestic industry has been brought to the knowledge of Authority.

76. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject country are at prices far below their normal value, Non Injurious Price of the domestic industry and the average sales realization of the subject goods of the applicants, and the dumping, injury and causal links has been clearly established

F. Magnitude of Injury Margin

77. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject country and the injury margins have been worked out as follows:

Injury margin Calculations	
Name of company	Injury Margin
Dongtai Fine Chemical Co. Ltd. and M/s Wuxi Greenapple Chemical Co. Ltd.	***
Others from China PR	***

G. Conclusions

78. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from the subject country below its normal value;
- B. The domestic industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused by the dumped imports from subject country.

H. Indian industry's interest & other issues

79. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

I. Recommendations

80. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject country, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

81. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

82. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry.

Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

Sl. No	Sub-Heading Or Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	28311020 or Any other Head of Customs	Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS)	China PR	China PR	Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co L	Wuxi Greenapple Chemical Industry Company Limited	469.17	MT	USD
2	Do	Do	China PR	China PR	Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co L	Any	469.17	MT	USD
3	Do	Do	China PR	China PR	Any	Any	655.13	MT	USD
4	Do	Do	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	655.13	MT	USD
5	Do	Do	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	655.13	MT	USD

J. Further Procedures

83. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority